



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 12 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

- विषय: i) गुजरात राज्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में 12 और 13 मार्च को लू से भीषण उष्ण लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है, जिसके बाद स्थिति में सुधार होगा।
- ii) उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 और 13 मार्च को, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 12 से 14 मार्च के दौरान, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 16 और 17 मार्च को, और अरुणाचल प्रदेश में 13 मार्च को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- iii) पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 12 और 14 से 16 मार्च के दौरान तथा उससे सटे मैदानी इलाकों में 15 और 16 मार्च को छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- iv) मध्य भारत में 14 और 16 मार्च को तथा पूर्वी भारत में 15 से 17 मार्च के दौरान छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

आज, 12 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- सौराष्ट्र और कच्छ के कई स्थानों, गुजरात क्षेत्र के कुछ स्थानों और हिमाचल प्रदेश के छिटपुट इलाकों में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति बनी रही; विदर्भ के छिटपुट इलाकों में भी उष्ण लहर की स्थिति रही।
- अरुणाचल प्रदेश और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- शिलांग (मेघालय) के छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- गुजरात, पश्चिमी राजस्थान और विदर्भ के कई स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान 38-42°C के बीच रहा; मध्य प्रदेश और मराठवाड़ा के कुछ स्थानों पर; छत्तीसगढ़ और ओडिशा के छिटपुट स्थानों पर; दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर 35-38°C; मध्य महाराष्ट्र और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई स्थानों पर; दक्षिणी हरियाणा, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी झारखंड के छिटपुट स्थानों पर भी यही स्थिति रही। कल मध्य महाराष्ट्र के नंदुरबार में अधिकतम तापमान 42.4°C दर्ज किया गया।
- हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और राजस्थान के अधिकांश स्थानों पर; पंजाब और गुजरात राज्य के कई स्थानों पर; अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कई स्थानों पर; मध्य महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक के कुछ स्थानों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, झारखंड, बिहार, मराठवाड़ा और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल और माहे के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य के करीब रहा।

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम और मेघालय, मिजोरम, मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 14-18°C के बीच रहा। बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, कोंकण और गोवा, गुजरात राज्य, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप को छोड़कर देश के शेष मैदानी हिस्सों में न्यूनतम तापमान 18-22°C के बीच रहा, जहां यह 22-27°C के बीच था। भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.7°C अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) में दर्ज किया गया।
- हिमाचल प्रदेश, पंजाब और बिहार में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; झारखंड, ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि छत्तीसगढ़, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ स्थानों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- मध्य स्तरीय क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 69° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 33° उत्तर में स्थित है।
- मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- कोमोरिन क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- बांग्लादेश और उससे सटे गंगा-प्रधान पश्चिम बंगाल में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है, और निचले स्तर की पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 90° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 22° उत्तर में स्थित है।
- उत्तर भारत में उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम प्रचलित है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 90 समुद्री मील की गति से चलती हैं।
- 14 मार्च 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 12 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी की संभावना है, जो 13 और 14 मार्च को छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी में बदल जाएगी; 15 से 18 मार्च के दौरान छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होगी। उत्तराखंड में भी 12 से 14 मार्च के दौरान छिटपुट हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना है, साथ ही 15 और 16 मार्च को छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होगी। 12, 15 और 16 मार्च को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में तथा 12 मार्च और 14-16 मार्च के दौरान उत्तराखंड में गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है।
- पंजाब में 12 तारीख और 14 से 17 तारीख के दौरान, हरियाणा और चंडीगढ़ में 15 से 17 तारीख के दौरान, उत्तर प्रदेश में 15 और 16 तारीख को, और राजस्थान में 14 और 15 मार्च को गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 12 से 18 मार्च के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश में 13 से 15 मार्च के दौरान, असम और मेघालय में 12 से 15 मार्च के दौरान और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 13 मार्च को 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

- 12 से 15 मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश/बर्फबारी की संभावना है, और 13 मार्च को भारी से बहुत भारी बारिश/बर्फबारी होगी।
- 12 से 15 मार्च के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 16 और 17 मार्च को भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 13 से 16 मार्च के दौरान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 15 मार्च को, पूर्वी मध्य प्रदेश में 15 और 16 मार्च को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 से 16 मार्च के दौरान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बिहार में 12 और 15 से 17 मार्च के दौरान, झारखंड में 12 और 15 से 18 मार्च के दौरान, और ओडिशा में 12, 15 और 16 मार्च को गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ छिटपुट से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 और 13 मार्च को छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 15 और 16 मार्च को तेलंगाना में छिटपुट हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है; 16 से 18 मार्च के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 17 और 18 मार्च को रायलसीमा में गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 14 से 17 मार्च के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है; इसके बाद के 2 दिनों में 3-5°C की क्रमिक वृद्धि और उसके बाद के 4 दिनों में 3-5°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और इसके बाद के 5 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा, सिवाय उत्तर प्रदेश के, जहां अगले 2 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है और इसके बाद के 2 दिनों में 2-3°C की वृद्धि और उसके बाद 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 2 दिनों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है और उसके बाद 3-5°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है; इसके बाद के 2 दिनों में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि और उसके बाद 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- पूर्वोत्तर भारत में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 4-5°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद के पांच दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- गुजरात राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और उसके बाद के छह दिनों में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- महाराष्ट्र में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और उसके बाद के चार दिनों में 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।

- दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

उष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गर्म रात की चेतावनी:

- 12 मार्च को सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर भीषण उष्ण लहर की संभावना है, और 13 मार्च को कुछ छिटपुट इलाकों में भी उष्ण लहर की संभावना है। 12 और 13 मार्च को गुजरात क्षेत्र में भी उष्ण लहर की संभावना है।
- 12 और 13 मार्च को दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ छिटपुट इलाकों में भीषण उष्ण लहर चलने की संभावना है।
- 12 मार्च को विदर्भ, 13 और 14 मार्च को हिमाचल प्रदेश और उत्तरी कोंकण के कुछ छिटपुट इलाकों में उष्ण लहर चलने की संभावना है।
- 12 और 13 मार्च को गुजरात राज्य, तटीय कर्नाटक, केरल और माहे के तटीय क्षेत्रों में गर्म और आर्द्र भरे मौसम की संभावना है।
- 12 और 13 मार्च को सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ छिटपुट इलाकों में और 12 मार्च को गुजरात क्षेत्र में गर्म रात की संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 12 से 15 मार्च 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

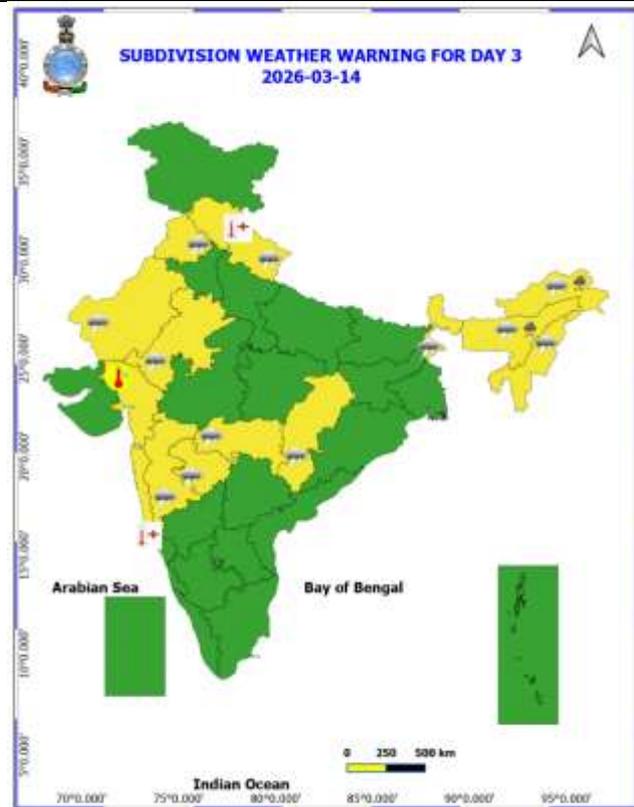
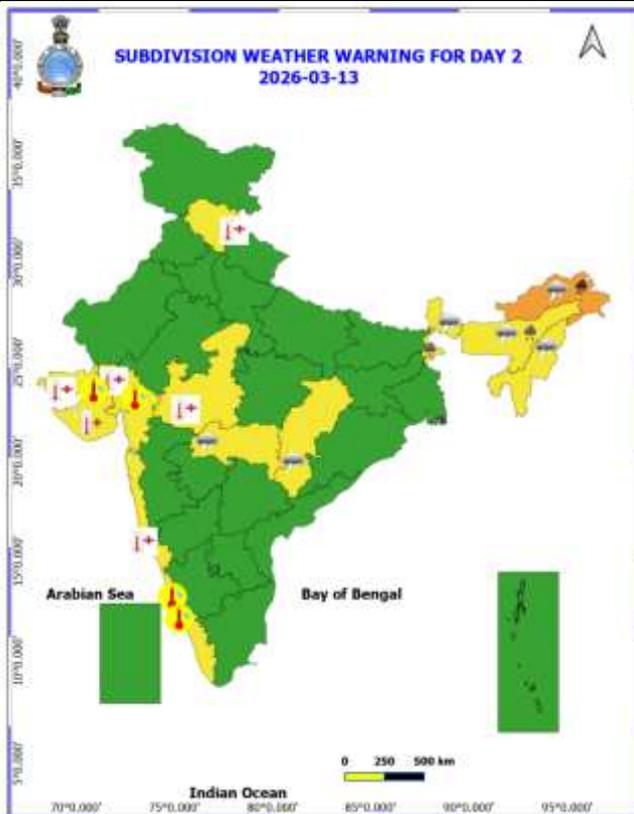
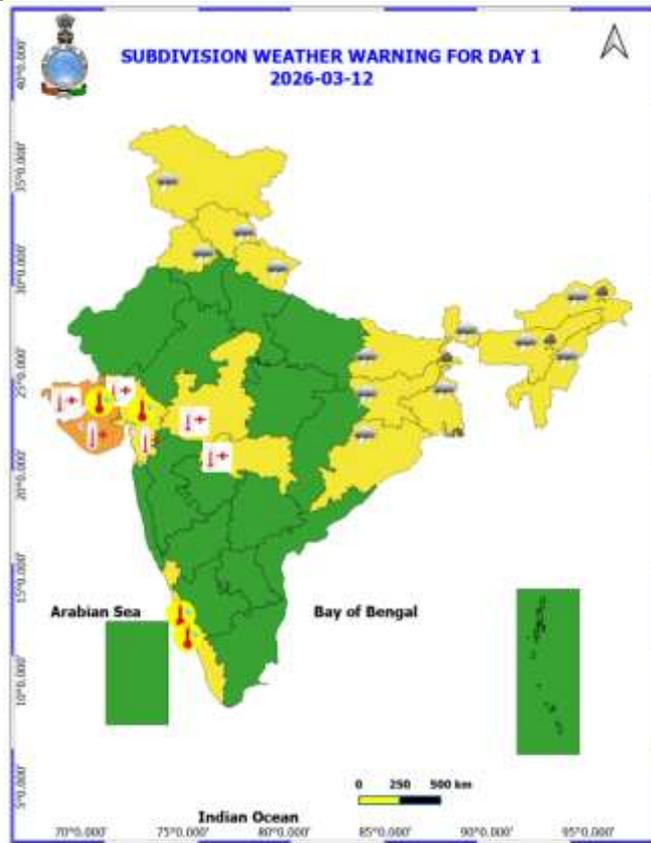
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

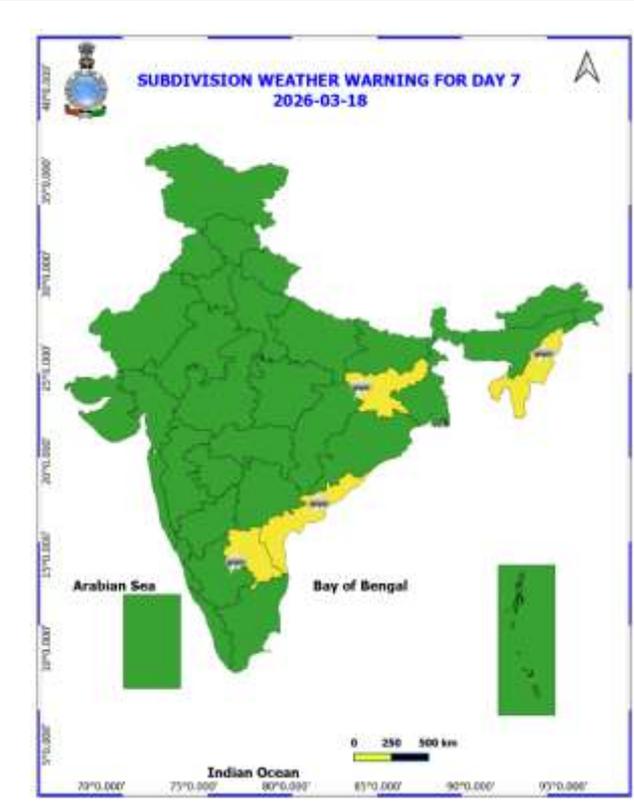
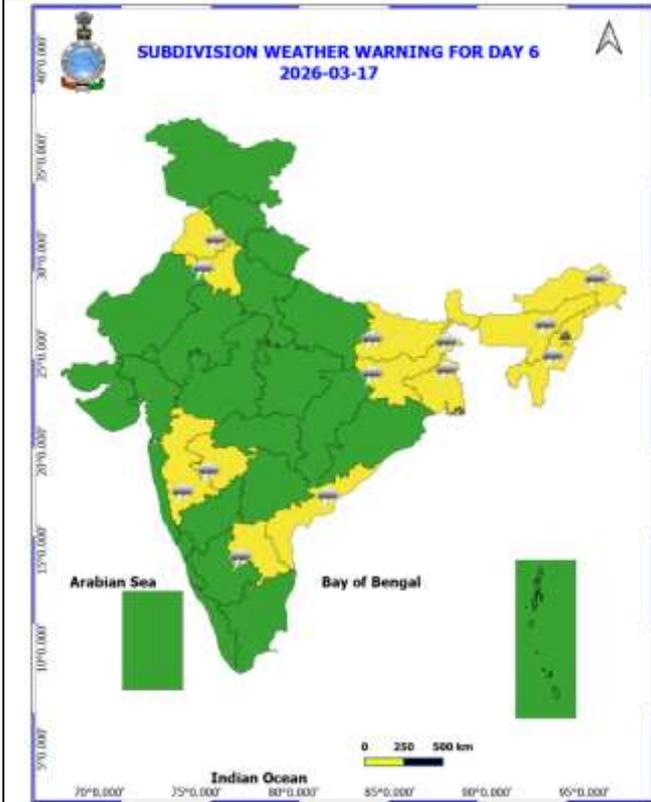
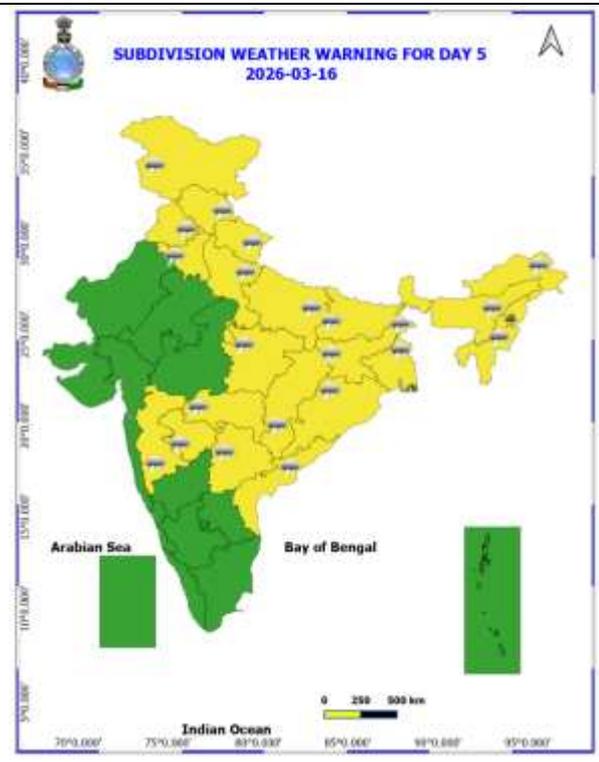
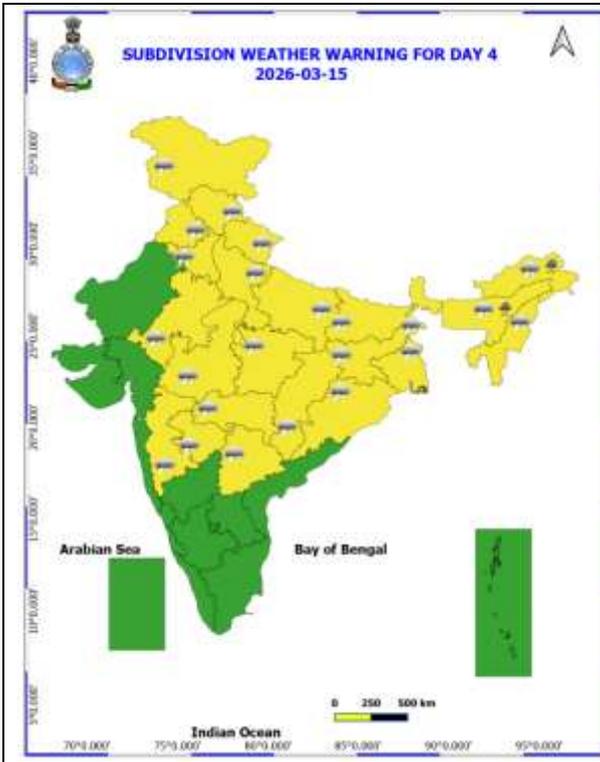
उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: रायगंज (जिला उत्तरी दिनाजपुर) 10, मझियान (जिला दक्षिण दिनाजपुर) 7;

अरुणाचल प्रदेश: तुतिंग 9.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	12- Mar	13- Mar	14- Mar	15- Mar	16- Mar	17- Mar	18- Mar
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WSS	WSS	WSS	WSS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WSS	WSS	WSS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
7	ODISHA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	SCT	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
14	PUNJAB	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	DRY	ISOL	FWS	SCT	ISOL	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	ISOL	ISOL	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY						
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY						
23	KONKAN & GOA	DRY						
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL						
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

12 से 15 मार्च 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का अनुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कम से कम तापमान और ज़्यादा से ज़्यादा तापमान में 1-2 °C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 35-37 °C और कम से कम तापमान 17-20 °C के बीच रहा। दिल्ली में कई जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.1°C या उससे ज़्यादा) है। पिछले 24 घंटों में आसमान में हल्के बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से लगातार 15 kmph की रफ़्तार से हवा चली। आज दोपहर में इस इलाके में आसमान में हल्के बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से 10 kmph की रफ़्तार से हवा चली।

मौसम का अनुमान:

12.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 35°C से 37 °C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार 10 kmph तक पहुँचकर उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे कम होकर पश्चिम दिशा से 05 kmph से कम हो जाएगी।

13.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान एक के बाद एक 33°C से 35°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। सुबह के समय हवा की रफ़्तार पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक बढ़ जाएगी। शाम और रात में हवा की रफ़्तार उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph तक ही रहेगी।

14.03.2026: आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान क्रम से 33°C से 35 °C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से काफी ज़्यादा (5.0°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवा शांत हवा के साथ चलेगी और फिर उत्तर दिशा से 05 kmph तक पहुँच जाएगी। दोपहर के समय हवा की स्पीड उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक बढ़ जाएगी। शाम और रात के समय हवा की स्पीड धीरे-धीरे कम होकर उत्तर दिशा से 06 kmph से कम हो जाएगी।

15.03.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर के समय बहुत हल्की बारिश/बूँदाबांदी/गरज के साथ बारिश हो सकती है। दिल्ली में ज़्यादा से ज़्यादा और कम से कम तापमान क्रम से 30°C से 32°C और 17°C से 19 °C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर कम से कम तापमान नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर नॉर्मल से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर ज़्यादा से ज़्यादा तापमान नॉर्मल से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़्यादातर सरफ़ेस विंड शांत हवा के साथ जुड़ी हुई है और फिर सुबह के समय हवा की रफ़्तार दक्षिण-पूर्व दिशा से 05 kmph तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की रफ़्तार पूर्व दिशा से 10 kmph तक बढ़ जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार पूर्व दिशा से 10 kmph से कम रहेगी।

उष्ण लहर/ भीषण उष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- 12 मार्च को सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर भीषण उष्ण लहर की संभावना है, और 13 मार्च को कुछ छिटपुट इलाकों में भी उष्ण लहर की संभावना है। 12 और 13 मार्च को गुजरात क्षेत्र में भी उष्ण लहर की संभावना है।
- 12 और 13 मार्च को दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ छिटपुट इलाकों में भीषण उष्ण लहर चलने की संभावना है।
- 12 मार्च को विदर्भ, 13 और 14 मार्च को हिमाचल प्रदेश और उत्तरी कोंकण के कुछ छिटपुट इलाकों में उष्ण लहर चलने की संभावना है।

ऑरेंज अलर्ट वाले क्षेत्र

- लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और गर्मी से होने वाली बीमारियों के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंता का विषय है।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

पीला चेतावनी वाले क्षेत्र:

- सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों जैसे संवेदनशील व्यक्तियों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती हैं।
- धूप में निकलने से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का उपयोग करें।

भारी/बहुत भारी बारिश के कारण असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 12-15 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी की बहुत संभावना है, और 13 मार्च को भारी से बहुत भारी बारिश/बर्फबारी हो सकती है।
- ❖ 12 और 13 तारीख को सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 12-15 तारीख के दौरान असम और मेघालय में; 16 और 17 मार्च को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर भारी बारिश की बहुत संभावना है।

असर की उम्मीद

- ऊपर बताए गए इलाके के शहरी इलाकों में, खासकर सड़कों पर पानी भर जाना, निचले इलाकों में पानी भर जाना और अंडरपास बंद हो जाना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी विज़िबिलिटी कम हो सकती है।
- सड़कों पर पानी भर जाने से बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- कमजोर स्ट्रक्चर को नुकसान होने की संभावना है।
- लोकल लैंडस्लाइड/मडस्लाइड

- कुछ इलाकों में पानी भरने से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी कैचमेंट में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- अपनी डेस्टिनेशन के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम चेक कर लें।
- इस बारे में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइज़री को फॉलो करें।
- उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर पानी भरने की समस्या होती है।
- कमजोर स्ट्रक्चर में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई करें, परिपक्व आलू की खुदाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **मेघालय** में, ग्रीष्मकालीन सब्जियों की फसलों के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। बागवानी फसलों को सहारा दें और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाएं। मटर की फली हरी, कोमल और पूरी तरह विकसित होने पर ही तोड़ें और तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, साफ मौसम के दौरान पके हुए आलू को शीघ्र खोदकर निकाल लें और उपज को हवादार, सूखे और ठंडे स्थान पर संग्रहित करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव

- वाष्पोत्सर्जन में वृद्धि के कारण मृदा में नमी की कमी तथा फसलों की वृद्धि, बीज विकास और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव।
- फसलों की त्वरित परिपक्वता, दानों के भराव की अवधि में कमी और सिकुड़े हुए दाने का बनना, परिणामस्वरूप गेहूं की संभावित उपज में कमी।
- अनाज वाली और अन्य रबी फसलों (जैसे मक्का, ज्वार आदि) में वानस्पतिक से प्रजनन अवस्था के समय नमी तनाव में वृद्धि एवं दानों के भराव में संभावित कमी।
- तिलहनी तथा दलहनी फसलों में फूल झड़ना, फलियों के बनने में विकृति, समय-पूर्व फलियों का सूखना तथा बीज के आकार और वजन में कमी।
- कंद वाली फसलों जैसे आलू इत्यादि में कंद का फुलाव कम होना और पौधे की वृद्धावस्था का शीघ्र आगमन।
- सब्जी वाली फसलों जैसे टमाटर, शिमला मिर्च, पता गोभी और फूलगोभी में फूल झड़ना, फलों का धूप से जलना तथा बिक्री योग्य उपज में कमी।
- बागवानी फसलों (जैसे आम, सेब, संतरा आदि) में फूलों का झड़ना, फल सेटिंग में कमी, समय से पहले फलों का गिर जाना, फलों का धूप से जलना, फलों के आकार में गिरावट, असमान रूप से पकना, स्पंजी टिशू जैसी विकृतियाँ (विशेषकर आम में) तथा कुल उपज और गुणवत्ता में कमी।
- फसलों की जल आवश्यकता में वृद्धि तथा सीमित सिंचाई की स्थिति में जल तनाव का अधिक जोखिम।
- पशुधन तथा मुर्गीपालन में चारे का सेवन में कमी, दूध और अंडा उत्पादन में कमी के साथ-साथ जल आवश्यकता में वृद्धि।

उच्च तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- गुजरात में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), चना, जीरा और सब्जियों की फसलों में सुबह और शाम के समय हल्की सिंचाई करें। सब्जियों में गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाव व मृदा नमी संरक्षण हेतु फसल अवशेषों से मल्लिचंग करें। सब्जियों की नर्सरी और बागों को गर्म हवाओं से बचाने के लिए भूसे या ज्वार की गीली बोरियों जैसी भौतिक बाधाओं का प्रयोग करें।
- महाराष्ट्र के, कोंकण क्षेत्र में, सपोटा, मिर्च, बैंगन और टमाटर को शाम या सुबह के समय हल्की और बार-बार सिंचाई प्रदान करें। आम में समय से पहले फल गिरने और धूप से झुलसने से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करें तथा फलों को धूप से झुलसने (सन स्कॉल्ड) से बचाने के लिए कटाई से पहले अखबार के थैलों में पैक (पूर्व-कटाई बैगिंग) करें। विदर्भ क्षेत्र में, देर से बोई गई रबी फसलों जैसे गेहूं, मूंगफली, तिल, कुसुम, ज्वार, बागानों और सब्जियों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा वाष्पीकरण से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पुआल मल्लिच का उपयोग करें।
- मध्य प्रदेश में, उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए गेहूं, चना और गन्ने की फसलों में हल्की सिंचाई करें। पकी हुई सरसों की कटाई सुबह या शाम के समय पूरी करें और फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- छत्तीसगढ़ में, गेहूं, चना, मसूर और सरसों जैसी खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करते रहें।
- राजस्थान में, जीरा, इसबगोल, सरसों तथा चने में सुबह या शाम के समय सुरक्षात्मक सिंचाई प्रदान करें ताकि ताप तनाव कम हो।
- उत्तर प्रदेश में, गेहूं (दाना भरने की अवस्था), सरसों और चने की फसलों में गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए सुबह या शाम के समय हल्की सिंचाई करें।
- हरियाणा में, सरसों और चने में फूल आने और फली बनने के समय हल्की सिंचाई करें। गेहूं में दाना भरने की अवस्था के दौरान मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- खेतों में आवश्यक नमी बनाए रखने हेतु मल्लिचंग, मेंडबंदी करें तथा अनावश्यक इंटरकल्टीवेशन से बचें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- पशुओं को स्वच्छ, साफ-सुथरा एवं पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं और छाया का इंतजाम करें।
- उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढक दें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

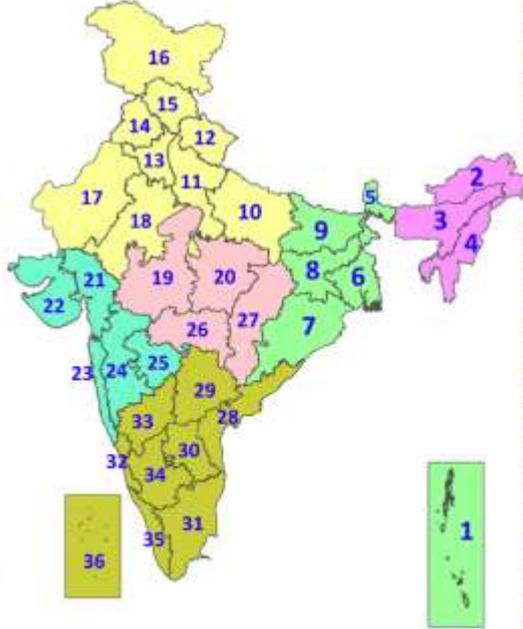
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). **Criteria for heat wave for coastal stations**
When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)